विषय– संगीत (वादन)
(कक्षा–9)

इस विषय में 70 अंकों का केवल एक प्रश्न-पत्र तीन घंटे का होगा।

शास्त्रीय शब्दों की परिभाषा एवं व्याख्या–संगीत स्वर (शुद्ध एवं विकृत), आलाप, राग, आरोह, अवरोह, वादी संवादी, तोड़ा, मात्रा, लय, खाली, सम, तिहाई, टुकड़ा,।

संगीत का इतिहास एवं रागों का अध्ययन–

1–वादन पाठ्यक्रम के रागों की विशेषतायें–स्वर विस्तार एवं अलंकारों के माध्यम से रागों की बढ़त।

2–तालों के टुकड़े, परन आदि लिखने की योग्यता अथवा सरल स्वर विस्तार एवं तोड़ो के साथ गाने लिपिबद्ध करके लिखने की योग्यता।

3–अमीर खुशरू एवं भातखण्डे की जीवनी, तबला पखावज या मृदंग, वीणा, सितार, सरोद, सारंगी, इसराज या दिलरूबा गिटार, वायलिन और बांसुरी में से कोई एक वाद्य ले सकता है।

4–तबला और पखावज–(अपने वाद्यों के अंगों का सचित्र वर्णन तथा मिलाने की विधि का ज्ञान)–

(1) तीनताल, एकताल में से प्रत्येक में दो कायदा, दो टुकड़े और दो तिहाइयाँ लिखने तथा बजाने की योग्यता।

(2) दादरा एवं रूपक तालों के साधारण ठेके तथा उनकी दुगुन में ताली देकर बोलने का अभ्यास।

अन्य वाद्य लेने वाले :

1–राग यमन एवं खमाज रागों में से प्रत्येक में एक-एक राग जिसकी विस्तृत जानकारी आवश्यक है।

2–राग बिलावल एवं आसावरी रागों में आरोह-अवरोह एवं पकड़ लिखने की योग्यता/क्षमता।

3–तीनताल, दादरा, एकताल से परिचित होना चाहिये।

4–भारतीय वाद्यों का वर्गीकरण।

नोट :–उपर्युक्त निर्धारित रागों एवं तालों की आन्तरिक प्रयोगात्मक परीक्षा होगी। इनका मूल्यांकन विद्यालय स्तर पर किया जायेगा।

प्रोजेक्ट कार्य

शैक्षिक सत्र 2022–23 हेतु आन्तरिक मूल्यांकन निम्नवत् कराये जाने की संस्तुति की जाती है:–

1–प्रथम आन्तरिक मूल्यांकन परीक्षा– (प्रोजेक्ट तथा परीक्षा)	**अगस्त माह**	**10 अंक**
2–द्वितीय आन्तरिक मूल्यांकन परीक्षा–(प्रोजेक्ट तथा परीक्षा)	**दिसम्बर माह**	**10 अंक**
3–चार मासिक परीक्षाएं		**10 अंक**

- प्रथम मासिक परीक्षा (वर्णनात्मक परीक्षा के आधार पर) जुलाई माह
- द्वितीय मासिक परीक्षा (बहुविकल्पीय प्रश्नों (MCQ) के आधार पर) अगस्त माह
- तृतीय मासिक परीक्षा (वर्णनात्मक परीक्षा के आधार पर) नवम्बर माह
- चतुर्थ मासिक परीक्षा (बहुविकल्पीय प्रश्नों (MCQ) के आधार पर) दिसम्बर माह

चारों मासिक परीक्षाओं के प्राप्तांकों के योग को 10 अंकों में परिवर्तित किया जाय।

नोट :– प्रोजेक्ट तैयार कीजिये।

1–अपने वाद्य को सचित्र चार्ट द्वारा प्रदर्शित कीजिये।

2–हिन्दुस्तानी शास्त्रीय संगीत के किसी प्रसिद्ध संगीतज्ञ के सगीत में दिये योगदान को वर्णित कीजिये।

3–खुले बोल व बन्द बोलों की तालों को उदाहरण सहित अपनी अभ्यास पुस्तिका में लिखिये।

4–वाद्यों के वर्गीकरण को समझाते हुये प्रत्येक प्रकारों के कुछ चित्र एकत्रित कर अपनी अभ्यास पुस्तिका में चिपकाइये।

5–अपने वाद्य की परम्परा को बताते हुये किसी प्रसिद्ध घराने की चर्चा कीजिये।

6–उत्तर भारतीय शास्त्रीय संगीत के कुछ प्रसिद्ध कलाकारों की सूची बनाकर उनको दिये जाने वाले पुरस्कार व क्षेत्र को ताइये।

7–किसी महान संगीतज्ञ का चित्र बनाकर संक्षिप्त जीवन परिचय चार्ट के माध्यम से दीजिये।

8–किसी संगीत समारोह का आँखों देखा हाल अपने शब्दों में वर्णित कीजिये।

9–संगीत के किसी एक वाद्य का मॉडल बनाइये।

10–शास्त्रीय संगीत के कुछ प्रसिद्ध वाद्यों के चित्र एकत्रित कर उन्हें बजाने वाले कलाकारों के नाम चित्र सहित सम्मुख लगाइये।

11–चल ठाठ व अचल ठाठ के सितार को समझाइये।

30 प्रतिशत कम किया गया पाठ्यक्रम –

शास्त्रीय शब्दों की परिभाषा एवं व्याख्या- थाट, पकड़, गत, जमजमा, भारीटेक, ताल, परन

संगीत का इतिहास एवं रागों का अध्ययन– तालों के टुकड़े, परन आदि बजाने की योग्यता अथवा सरल स्वर विस्तार एवं तोड़ो के साथ गाने लिपिबद्ध करके बजाने की योग्यता।

2–स्वर समूह के छोटे-छोटे टुकड़ों के आधार पर रागों को पहचानने की योग्यता अथवा ठेके के कुछ बोलों के आधार पर तालों को पहचानने की योग्यता।

3–तबला और पखावज–(अपने वाद्यों के अंगों का सचित्र वर्णन तथा मिलाने की विधि का ज्ञान)–

(1) झपताल में से दो कायदा, दो टुकड़े और दो तिहाइयाँ लिखने तथा बजाने की योग्यता।

(2) सूलफाक तालों के साधारण ठेके तथा उनकी दुगुन में ताली देकर बोलने का अभ्यास।

अन्य वाद्य लेने वाले :

1–भूपाली राग में आरोह-अवरोह एवं पकड़ लिखने की योग्यता/क्षमता।

2–झपताल से परिचित होना चाहिये।